**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**लोक सभा**
**लिखित प्रश्न संख्या : 3401**
**गुरुवार, 12 मार्च, 2026/21 फाल्गुन, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर**

**अप्रचालनशील विमानपत्तन**

**3401. श्रीमती बाग मितालीः**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश भर में कुल कितने विमानपत्तन हैं और वर्तमान में कितने विमानपत्तन प्रचालन में नहीं हैं;

(ख) कुल कितने ग्रीनफील्ड विमानपत्तनों का निर्माण किया गया है और वर्तमान में इनमें से कितने विमानपत्तन प्रचालन में नहीं हैं;

(ग) क्या उक्त विमानपत्तनों को शुरू करने से पहले कोई व्यवहार्यता सर्वेक्षण और तकनीकी तैयारी का आकलन किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह सच है कि उड़ान योजना के अंतर्गत बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में ग्यारह नए विमानपत्तनों के उद्घाटन के बावजूद वर्तमान में केवल चार विमानपत्तनों पर ही अनुसूचित वाणिज्यिक उड़ानें हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या कतिपय विमानपत्तन व्यवहार्यता अंतर निधियन की अवधि समाप्त होने के बाद भी उड़ान प्रचालनों को बनाए रखने में विफल रहे हैं और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**
**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क): देश में प्रचालनात्मक हवाईअड्डों की कुल संख्या 164 है। इसके अतिरिक्त, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के 22 हवाईअड्डे इस समय गैर-प्रचालनात्मक हैं।

(ख): भारत सरकार ने अब तक पूरे देश में 24 नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के निर्माण के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान किया है। अब तक इनमें से 13 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे प्रचालित किए जा चुके हैं। इनमें से कुशीनगर हवाईअड्डे पर वर्तमान में अनुसूचित उड़ान परिचालन नहीं हो रहा है।

(ग): ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा (जीएफए) नीति, 2008 के अनुसार, हवाईअड्डा विकासकर्ता को उपयुक्त स्थान की पहचान करनी होती है, व्यवहार्यता-पूर्व अध्ययन करवाना होता है और इसके बाद 'साइट क्लीयरेंस' के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव प्रस्तुत करना होता है, उसके बाद सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान किया जाता है।

(घ) एवं (ङ): उड़ान योजना के तहत बिहार राज्य में दरभंगा और पूर्णिया, झारखंड राज्य में देवघर और जमशेदपुर, तथा उत्तर प्रदेश राज्य में कानपुर, प्रयागराज, कुशीनगर, बरेली, चित्रकूट, मुरादाबाद, अलीगढ़, आज़मगढ़, श्रावस्ती, अयोध्या, हिंडन और आगरा हवाईअड्डों को प्रचालित किया गया है।

उत्तर प्रदेश के छह हवाईअड्डों नामतः कुशीनगर, चित्रकूट, मुरादाबाद, अलीगढ़, आज़मगढ़ और श्रावस्ती को छोड़कर, उपर्युक्त सभी हवाईअड्डों पर अनुसूचित उड़ान परिचालन हो रहा है। इन छह हवाईअड्डों पर परिचालन अस्थायी रूप से बंद है। इसके कई कारण हैं जैसे तीन वर्ष की व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) सहायता अवधि का पूरा हो जाना, खराब दृश्यता की स्थिति, केवल वीएफआर वाले हवाईअड्डों पर दिन के समय रनवे प्रतिबंध, विमानों की कमी, लीज़ से जुड़ी समस्याएँ, एयरलाइनों द्वारा अस्थायी रूप से सेवाएँ बंद करना, मार्गों का नवीनीकरण और यात्रियों की कम संख्या।

*********